सी आय सी आर

कपास समाचार

खंड : 29, नं. 1 & 2 जनवरी–जून, 2013

केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान नागपुर

अनुसंधान सलाहकार समिति बैठक

केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर के अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक दिनांक 21–22 फरवरी, 2013 के दौरान डॉ. एस.ए. पाटिल, पूर्व निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली की अध्यक्षता में आयोजित की गई। आरएसी के अन्य सदस्य, डॉ. श्रीनिवासन, पूर्व निदेशक, सिरकोट, मुम्बई; प्रो. के.आर. कोंडल, भा.अप–प्रख्यात वैज्ञानिक, एनआरसीपीबी, दिल्ली; डॉ. वी. कुमार, पूर्व–प्रभागाध्यक्ष, कपास अनुसंधान केन्द्र, सूरत; डॉ. जाधव, पूर्व निदेशक, विस्तार, एमएयू, परभणी तथा श्री शरद टासरे, पूर्व विधायक एवं सदस्य, आईएमसी, सीआईसीआर, नागपुर, भी आरएसी की बैठक में उपस्थित थे।

बैठक की कार्रवाई शुरू करते हुए सीआईसीआर के निदेशक डॉ. के.आर. क्रांति ने आरएसी की 2012 की एटीआर रिपोर्ट (की गई कार्रवाई रिपोर्ट) प्रस्तुत की। तत्पश्चात, सीआईसीआर, नागपुर और क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभागाध्यधक्षों ने अपने–अपने संबंधित प्रभागों के क्रियाकलापों का प्रस्तुतीकरण दिया। आरएसी की कुछ विशिष्ट सिफारिशें निम्न प्रकार हैं :

आरएसी के अध्यक्ष, डॉ. पाटिल सदस्यों को संबोधित करते हुए

1. संस्थान में भावी अनुसंधान कार्यक्रम विशिष्ट कृषि पारिस्थितिकियों की स्थितियों के अनुरूप बनाए जाने चाहिए।
2. इजिप्ट, यूएसए और सूडान जैसे ईएलएस कपास उत्पादक देशों में कम उत्पादन को ध्यान में रखते हुए देश में ईएलएस कपास उत्पादन बढ़ाया जाना चाहिए। गैर–पारंपरिक क्षेत्रों में ईएलएस कपास के लिए अवसरों की खोज की जानी चाहिए।
3. सीआईसीआर द्वारा कपास में जैसिड के प्रबंधन पर अनुसंधान कार्यक्रमों में तेजी लाई जानी चाहिए।
4. भविष्य में जीन विकसित करने के लिए, एकल जीन के बजाय जीनों के समूह (बॉलवार्म, पत्ती कुंचन वायरस, जैविक एवं अजैविक दबाव) की खोज की जानी चाहिए। पराजीनी (ट्रांसजिनिक) कपास में स्थायी प्रतिरोध के लिए कराई. लेक्टिन के साथ यूसन जीन विकसित करने के लिए खोज की जानी चाहिए।
5. एआईसीसीआईपी परीक्षणों में ऐसी कपास वंशावलियों को शामिल करने के बारे में चिंता जताई गई थी जिनसे कम उपज प्राप्त की जा रही थी, परन्तु उनमें बेहतर रेशा गुणवत्ता गुणधर्म पाए गए। यह सूचित किया गया कि कम उपज निष्पादन के कारण अनेक वंशावलियों को प्रारंभिक मूल्यांकन के दौरान शामिल नहीं किया गया। आरएसी ने कहा कि केवल रेशा गुणवत्ता गुणधर्मों वाली वंशावलियों की जांच करने हेतु एआईसीसीआईपी परीक्षणों में अलग व्यवस्था (विंडो) की जानी चाहिए। भावी पारंपरिक प्रजनन कार्यक्रमों में उपयोग हेतु रेशा गुणवत्ता पर मौसम चरों के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु तीन वर्षों के लिए तीन स्थानों में गुणवत्ता गुणधर्मों के लिए जननद्रव्य में आशाजनक वंशावलियों तथा 20–25 विशिष्ट किस्मों पर परीक्षण किया जा सकता है।
6. आरएसी ने पराजीनी कपास के विकास के लिए अर्बोरियम में आरजी–8 के बजाय पीए255 और हिर्सुटुम में सूरज का उपयोग करने का सुझाव दिया। आरएसी ने सूरज कपास में संचरण दक्षता की जांच हेतु क्राई1एसी और क्राई2एबी को एक साथ तथा अलग–अलग कंस्ट्रक्ट के रूप में प्रयोग करने का

विषय–वस्तु

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक	.. 1	विश्व कपास परिदृश्य	.. 3	विशिष्ट आगन्तुक	.. 6
आयोजित की गई एआईसीसीआईपी बैठकें	.. 2	वि.के. (केवीके) का राउन्ड अप	.. 3	बैठकों/कार्यशालाओं में सहभागिता	.. 6
आईआरसी की बैठक	.. 2	मानव संसाधन विकास	.. 6	सेमिनारों में सहभागिता	.. 7
प्रशिक्षण कार्यक्रम	.. 2	पुरस्कार एवं सम्मान	.. 6	कार्मिक	.. 7

भी सुझाव दिया।

7. आरएसी ने बारानी प्रणालियों में जल उपयोग बढ़ाने हेतु कपास उत्पादन के संबंध में आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा विकसित एक जल संरक्षण तकनीक पूसा 'हाइड्रोजेल' की जांच व परीक्षण करने का भी सुझाव दिया।
8. एचडीपीएस और मशीन पिकिंग के लिए विशिष्ट पादपों (प्लांट टाइप) पर अनुसंधान में तेजी लाई जानी चाहिए।
9. कृषि योग्य सभी प्रजातियों व किस्मों में बीटी जीन के साथ किस्मों को विकसित करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

आरएसी के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने विभिन्न जिलों में कपास में एचडीपीएस कार्यक्रम के समन्वयकों के साथ भी चर्चा की। डॉ. पी.के. चक्रवर्ती, प्रभागाध्यक्ष, फसल सुधार प्रभाग, सीआईसीआर, नागपुर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए आरएसी की बैठक संपन्न हुई।

एआईसीसीआईपी की बैठक का आयोजन

अखिल भारतीय समन्वित कपास सुधार परियोजना (एआईसीसीआईपी) की वार्षिक समूह बैठक दिनांक 08–10, अप्रैल, 2013 के दौरान महाराणा प्रताप .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। डॉ. ए.एच. प्रकाश, परियोजना निदेशक ने वर्ष 2012–13 के लिए अनुसंधान उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण दिया। वर्ष 2013–14 के लिए प्रजनन, सस्य विज्ञान एवं शरीरक्रिया विज्ञान, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित विभिन्न पैनलों द्वारा एआईसीसीआईपी के तकनीकी कार्यक्रम को रूपरेखा दी गई। एआईसीसीआईपी की वार्षिक समूह बैठक के दौरान, डॉ. एम. गोपालष्णन, सहायक महानिदेशक, (कपास फसल), भा.अप, नई दिल्ली की अध्यक्षता में कपास किस्मगत पहचान समिति (कॉटन वैराइटल आइडेन्टीफिकेशन कमेटी) की बैठक भी आयोजित की गई।

आईआरसी की बैठक

सीआईसीआर की वार्षिक संस्थान अनुसंधान समिति (आईआरसी) की बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई। सीआईसीआर, नागपुर के वैज्ञानिकों के लिए दिनांक 16 मार्च, 2013 को एक विशेष आईआरसी बैठक तथा दिनांक 21–23 मार्च, 2013 को सीआईसीआर, नागपुर में सभी केन्द्रों के लिए एक संयोजित आईआरसी की बैठक आयोजित की गई।

आरएसी के सदस्य सचिव, डॉ. एम. वेणुगोपालन ने दिनांक 21–22 फरवरी, 2013 को आयोजित अनुसंधान सलाहकार समिति की विशिष्ट संस्तुतियों का प्रस्तुतीकरण दिया। आईआरसी के सचिव, डॉ. के. वेलमोरूगेन ने पिछली आईआरसी (2012) की एटीआर रिपोर्ट (की गई कार्रवाई रिपोर्ट) का प्रस्तुतीकरण दिया। आईआरसी ने पिछली आईआरसी के कार्यवृत्तों को अपनी सहमति प्रदान की।

सीआईसीआर, नागपुर; क्षेत्रीय केन्द्र, कोयम्बटूर तथा क्षेत्रीय केन्द्र, सिरसा में अनुसंधान परियोजनाओं के परिणाम व्यक्ति–विशेष परियाजना लीडरों के द्वारा प्रस्तुत किए गए जिन पर आईआरसी में चर्चा की गई। वर्ष 2013–14 के लिए प्रत्येक परियोजना के संबंध में तकनीकी कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक की अध्यक्षता सीआईसीआर के निदेशक, डॉ. के. आर. क्रांति द्वारा की गई और सीआईसीआर के नागपुर, कोयम्बटूर तथा सिरसा के वैज्ञानिकों ने भी चर्चा में प्रतिभागिता की।

अध्यक्ष महोदय ने बैठक समापन टिप्पणियों में वैज्ञानिकों के कार्य की प्रशंसा की और अनुसंधानिक सुविधाओं एवं मानव शक्ति के संबंध में बेहतर अनुसंधान के लिए हर प्रकार की सहायता देने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष महोदय ने कपास अनुसंधानकर्ताओं और किसानों के लाभ व उनके हित में की गई सिफारिशों तथा कृषि क्रियाओं के पैकेज की वार्षिक पुस्तिका का प्रकाशन करने पर भी जोर दिया। बैठक में एजीआरईएससीओ (एग्रीस्को) के विकल्प के रूप में, एआईसीसीआईपी के माध्यम से प्रौद्योगिकियो के परीक्षण एवं विमोचन पर भी चर्चा की गई। डॉ. जे. एच. मेसराम, संयुक्त सचिव द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव देने के साथ आईआरसी की बैठक संपन्न हुई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

अफ्रीका (युगांडा) के लिए टीएपी के अंतर्गत जैविक कपास उत्पादन की प्रासंगिकता एवं तकनीकें	अफ्रीका के लिए कपास तकनीकी सहायता कार्यक्रम (टीएपी) के अंतर्गत युगांडा से 6 कपास अनुसंधान कर्ताओं ने दिनांक 21–25 जनवरी, 2013 के दौरान सीआईसीआर, क्षेत्रीय केन्द्र कोयम्बटूर में जैविक कपास उत्पादन की प्रासंगिकता एवं तकनीकों पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राप्त किया।
विस्तार कार्मिकों के लिए कपास में डीयूएस परीक्षण एवं जांच	सीआईसीआर, नागपुर ने नागपुर जिले के विस्तार पदाधिकारियों व कार्मिकों के लिए कपास में डीयूएस परीक्षण पर एक एक–दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) के प्रशिक्षण हाल में दिनांक 23 जनवरी, 2013 को किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. वी. शांति द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
जनजातीय किसानों के लिए सर्जिकल कपास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	सीआईसीआर, नागपुर ने हिंग्ना, नागपुर के 30 जनजातीय किसानों के लिए सघन रोपण प्रणाली हेतु सर्जिकल कपास (जी. अर्बोरियम) पर प्रशिक्षण प्रदान किया।
पीवीपी एवं एफआर पर किसानों के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम	सीआईसीआर के क्षेत्रीय केन्द्र, कोयम्बटूर में पादप किस्मों और किसानों के अधिकारों के संरक्षण पर एक एक–दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अन्नूर तालुक के कंजापालि और अलापलायम के 36 प्रगतिशील किसानों सहित 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विश्व कपास परिदृश्य

विश्व में लगभग 80 देशों में कपास का उत्पादन किया जाता है। वर्ष 2012–13 के दौरान इन देशों से लगभग 26.39 मिलियन मैट्रिक टन उत्पादन किए जाने की उम्मीद है (तालिका 1)। यह पिछले वर्ष की तुलना में 1.4 मिलियन मैट्रिक टन कम है। तथापि, कपास का उपभोग 1.68 मिलियन मैट्रिक टन से बढ़कर 23.78 मिलियन मैट्रिक टन तक पहुचने की उम्मीद की जाती है। इस कपास वर्ष के आरंभ में कपास का स्टॉक 15.27 मिलियन मैट्रिक टन था जिसकी बढ़कर इस वर्ष की समाप्ति पर 17.88 मिलियन मैट्रिक टन होने की उम्मीद की जाती है। इस वर्ष विश्व कपास निर्यात में भी मामूली कमी आने की उम्मीद है। इस वर्ष कपास के मूल्यों का परिदृश्य भी कोई खास लाभकारी नहीं है। पिछले वर्षों की तुलना में कपास के मूल्य निचले स्तरों पर हैं। पिछले वर्षों के दौरान कॉटलुक ए सूचकांक ;Cotlok A Index) अधिकतर समय में 100 प्वांइट मार्क के ऊपर था। इस वर्ष यह 100 प्वांइट मार्क के नीचे है। अधिक स्टॉक होने तथा अधिक उत्पादन होने की उम्मीद मूल्यों में कमी के लिए मुख्य कारण हो सकते हैं, क्योंकि उपभोग और निर्यात में स्टॉक एवं

तालिका 1. विश्व में मांग और आपूर्ति स्थिति **(मात्रा मिलियन मैट्रिक टन में)**

प्रारंभ वर्ष 01 अगस्त	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12*	2012–13**
विश्व अथ स्टॉक (बिग्निंग स्टॉक)	12.53	12.81	12.25	11.94	8.67	9.58	15.27
विश्व कपास उत्पाद्दन	26.76	26.07	23.50	22.24	25.36	27.79	26.39
विश्व कपास उपभोग/उपयोग	26.48	26.68	23.86	25.52	24.50	22.10	23.78
विश्व कपास निर्यात	8.04	8.47	6.60	7.79	7.63	9.82	9.79
विश्व अंत स्टॉक (एंडिंग स्टॉक)	12.81	12.25	11.94	8.67	9.58	15.27	17.88

स्रोत : भारतीय कपास निगम http://cotcorp.gov.in 'आकलित ''अनुमानित

के.वी.के. सिंहावलोकन

क्र.सं.	तिथि	विषय	स्थान (कैम्पस में/से बाहर)	ग्राहक '	प्रतिभागियों की संख्या	विषय–क्षेत्र
1	04.01.2013	किसानों एवं युवाओं के लिए उद्यमशीलता विकास	कैम्पस से बाहर	पीएफ	57	विस्तार
2	09.01.2013	स्व–सहायता समूहों (एसएचजी) का गठन एवं प्रबंधन	कैम्पस में	पीएफ	31	विस्तार
3	09.01.2013	हरित गृह (ग्रीन हाउस) कृषि	कैम्पस से बाहर	पीएफ	50	बागवानी
4	17.01.2013	अनुपूरक उद्यमशीलता के रूप में डेयरी और बकरी पालन	कैम्पस से बाहर	आरवाई	22	विस्तार
5	19.01.2013	संधारणीय कृषि के लिए डेयरी फार्मिंग	कैम्पस में	पीएफ	45	पशुचिकित्सा विज्ञान
6	23.01.2013	आनुवांशिक सुधार के लिए पशुपालन प्रजनन संबंधी कार्यनीतियां एम्बिया बहार का प्रबंधन एवं फीड	कैम्पस में	ईएफ	40	पशुचिकित्सा विज्ञान एवं बागवानी
7	02.02.2013	बैक यार्ड मुर्गीपालन में देशी नस्ल का रोग प्रबंधन एवं फीड	कैम्पस से बाहर	पीएफ	17	पशुचिकित्सा विज्ञान
8	06.02.2013	ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन	कैम्पस से बाहर	आरवाई	35	पशुचिकित्सा विज्ञान
9	06.02.2013	बीटी कपास में चूसक नाशीजीवों का प्रबंधन	कैम्पस से बाहर	पीएफ	20	फसल संरक्षण
10	08.02.2013	महिला हितैषी उन्नत औजार एवं उपकरण कपास में उच्च घनत्व वाली रोपण प्रणाली	कैम्पस से बाहर	ईएफ	59	गृह विज्ञान एवं सस्य विज्ञान
11	13.02.2013	शेड नेट में सब्जी फसलों में नाशीजीवों का प्रबंधन	कैम्पस से बाहर	आरवाई	10	फसल संरक्षण
12	16.02.2013	समेकित पशुधन कृषि प्रणाली	कैम्पस में	ईएफ	30	पशुचिकित्सा विज्ञान
13	16.02.2013	बीटी कपास में चूसक नाशीजीवों का प्रबंधन	कैम्पस में	आरवाई	31	फसल संरक्षण
14	02.03.2013	भिंडी के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी	कैम्पस से बाहर	पीएफ	15	बागवानी

क्र.सं.	तिथि	विषय	स्थान (कैम्पस में / से बाहर)	ग्राहक '	प्रतिभागियों की संख्या	विषय–क्षेत्र
15	06.03.2013	बीटी कपास उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी	कैम्पस से बाहर	आरवाई	114	सस्य विज्ञान
16	12.03.2013	सोयाबीन में बीज संरोपण तकनीक	कैम्पस से बाहर	पीएफ	172	सस्य विज्ञान
17	20.03.2013	कैटल फीड के रूप में यरी फार्मिंग एवं अजोला	कैम्पस से बाहर	पीएफ	33	पशुचिकित्सा विज्ञान
18	20.03.2013	बीटी कपास में चूसक नाशीजीवों का प्रबंधन	कैम्पस में	आरवाई	30	फसल संरक्षण
19	25.03.2013	पनीर तैयार करना (विरचन)	कैम्पस में	पीएफ	26	पशुचिकित्सा विज्ञान
20	15.04.2013	वैज्ञानिक विधि से डेयरी फार्मिंग	कैम्पस से बाहर	पीएफ	24	पशुचिकित्सा विज्ञान
21	11.06.2013	क्रॉस नस्ल की गायों में मासटाइटिस की खोज	कैम्पस से बाहर	आरवाई	19	पशुचिकित्सा विज्ञान
22	24.06.2013	मिर्च (चिली) का नर्सरी प्रबंधन	कैम्पस से बाहर	पीएफ	24	बागवानी

मोबाइल मृदा परीक्षण वैन का उद्घाटन

केवीके, नागपुर द्वारा महाराष्ट्र राज्य के ''मानव विकास कार्यक्रम'' के अंतर्गत मृदा नमूनों, पादप नमूनों और जल नमूनों के प्रमुख एवं सूक्ष्म पोषकों के विश्लेषण के लिए जरूरी सुविधाओं से सुसज्जित एक मोबाइल मृदा परीक्षण वैन प्राप्त की गई है। दिनांक 22 फरवरी, 2013 को कलेक्टर कार्यालय, नागपुर में माननीय गार्ड्यन मिनिस्टर (संरक्षक मंत्री), नागपुर जिला, श्री शिवाजीराव मोघे के कर कमलों के द्वारा इस वैन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मंडल आयुक्त जिला कलेक्टर, नागपुर सुधार ट्रस्ट के अध्यक्ष, विधायक तथा नागपुर जिले के अन्य जाने–माने लोग भी उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ. यू.वी. गलकटे एवं श्री एच.बी. कुंभलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हुए

डॉ. यू.वी. गलकटे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हुए एवं हाटला गांव के किसानों को अजोला उत्पादन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन/ डेमो दिखाते हुए

अन्य प्रशिक्षण

कृषि/पशु चिकित्सा स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को कृषि व्यवसाय एवं कृषि क्लिनिकों में प्रशिक्षण देने हेतु दिनांक 06 फरवरी, 2013 को कनहन में ''एवेन्यूज इन एग्रीकल्चर एंड एनिमल हजबेंड्री'' पर एक एक–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को कन्हन, जिला नागपुर में स्थित एनजीओ – कृष्णा घाटी उच्चतर कृषि फाउंडेशन संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया। डॉ. यू.वी. गलकटे, एसएमएस (पशु चिकित्सा विज्ञान) और श्री हरीश कुमभलकर, कार्यक्रम सहायक, (मृदा विज्ञान) इस कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति (रिसोर्स पर्सन्स) थे। प्रशिक्षणार्थियों ने दिनांक 16 फरवरी, 2013 को कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) के मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब और प्रौद्योगिकी पार्क का भी दौरा किया।

दिनांक 20 मार्च 2013 को एक गांव अर्थात हटला, टाह–काटोल में सहायक आयुक्त पशुपालन, मिनी पॉलिक्लिनिक, काटोल के कार्यालय के सहयोग से 'डेयरी प्रॉडेक्शन' और 'अजोला ऐज ए कैटल फीड' पर एक एक–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हाटला गांव में 30 प्रगतिशील डेयरी किसानों ने सक्रिय रूप से प्रतिभागिता की। तकनीकी सत्र के दौरान किसानों को डेयरी फार्मिंग में विभिन्न कम लागत वाली प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया गया ताकि दूध उत्पादन की लागत में कमी लाई जा सके। इस अवसर पर, हाटला के प्रतिभागियों के एक प्रतिभागी के खेत (फील्ड) में 'क्लटिवेशन ऑफ अजोला' पर एक प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को 'लूज हाउसिंग सिस्टम ऑफ लाइवस्टॉक' पर एक फिल्म भी दिखाई गई।

इसी प्रकार से, दिनांक 12 अप्रैल, 2013 को गांव घरतवाड़ा, टाह, काटोल में एटीएमए परियोजना के अंतर्गत एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मूल्यवर्धन के लिए दूध के उत्पादों, जैसे पनीर की प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन/डेमो दिया गया। इस अवसर पर डॉ. यू.वी. गलकेटे, एसएमएस (पशु चिकित्सा विज्ञान) द्वारा प्रतिभागिता करने वाले किसानों के खेतों मे 'अजोला की खेती' और 'खराब गुणवत्ता के रफेज के यूरिया उपचार' पर लाइव प्रदर्शन/डेमो का आयोजन किया गया। श्री हरीश कुम्भलकर (कार्यक्रम सहायक) ने मृदा परीक्षण की महत्ता के बारे में बताया और किसानों को मृदा परीक्षण कराने के लिए प्रोत्साहित किया। इन दोनों अवसरों पर पशुपालन विभाग के एसीएएच मिनी पॉलीक्लिनिक, एलडीओ और सेवारत विस्तार कार्मिक भी उपस्थित थे।

प्रदर्शनियों में सहभागिता

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, सीआईसीआर ने दिनांक 24–27 जनवरी, 2013 के दौरान रेशमीबाग, नागपुर में आयोजित एग्रो–विजन प्रदर्शनी में सहभागिता की। केवीके, सीआईसीआर, नागपुर के स्टॉल पर 1,00,000 से अधिक प्रगतिशील किसानों और ग्रामीण युवाओं तथा खेतिहर महिलाओं ने दौरा किया और उन्हें सीआईसीआर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी दी गई।

2. कृषि विज्ञान केन्द्र, सीआईसीआर, नागपुर ने 22–24 फरवरी, 2013 के दौरान राष्ट्रीय नींबू वर्गीय अनुसंधान केन्द्र (एनआरसीसी), नागपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय किसान मेले में सहभागिता की। सीआईसीआर के स्टाल में कृषि से संबंधित विभिन्न प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया और संबद्ध फील्ड स्थापित किए गए जिन पर नींबू वर्गीय फलों का उत्पादन करने वाले उत्पादकों सहित 2000 से अधिक किसानों द्वारा दौरा किया गया। डॉ. कृष्ण कुमार, उप–महानिदेशक (बागवानी), भाकृअप, नई दिल्ली ने सीआईसीआर के स्टॉल का दौरा किया और सीआईसीआर के केवीके के कार्यों व गतिविधियों की सराहना की।

3. कृषि विज्ञान केन्द्र, सीआईसीआर, नागपुर ने दिनांक 20 अप्रैल, 2013 को जलगांव में आयोजित महाराष्ट्र कपास परिषद में सहभागिता की। इस अवसर पर विभिन्न कपास उत्पादन प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन/डेमो के लिए एक स्टॉल स्थापित किया गया।

4. कृषि विज्ञान केन्द्र, सीआईसीआर, नागपुर ने दिनांक 31 मई से 02 जून, 2013 के दौरान वर्धा में आयोजित एक तीन दिवसीय कृषि प्रदर्शनी में सहभागिता की। सीआईसीआर की स्टाल पर अधिकांश किसानों, ग्रामीण युवाओं और विस्तार कार्मिकों ने दौरा किया। डॉ. रामरत्न गुप्ता और डॉ. पी.बी. देवुलकर ने प्रदर्शनी में सहभागिता की और सीआईसीआर की प्रौद्योगिकियों से अवगत कराया।

नैदानिक सर्वेक्षणों का आयोजन

केवीके के एसएमएस द्वारा नागपुर जिले के 20 गावों के खेतों एवं बागवानी फसलों, पशुओं इत्यादि पर बारह नैदानिक सर्वेक्षण (डायग्नॉस्टिक सर्वे) किए गए। इन सर्वेक्षणों का आयोजन लगभग 90 हेक्टेयर भूमि और 175 पशुओं पर किया गया। इस प्रक्रिया से कुल मिलाकर 370 किसान लाभान्वित हुए।

दलहनों पर खरीफ से पहले नियोजन के लिए बैठक

केवीके, सीआईसीआर, नागपुर ने दिनांक 21 मई, 2013 को भुरजवाड़ा गांव में दलहनों पर खरीफ पूर्व नियोजन के लिए बैठक की। बैठक में 55 से अधिक किसानों ने सहभागिता की। डॉ. रामरत्न गुप्ता, एसएमएस, बैठक/कार्यक्रम के समन्वयक थे।

मानव संसाधन विकास

कार्मिक का नाम	पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण का नाम	स्थान	अवधि
श्री गुलबीर सिंह	समेकित फसल उत्पादन पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्क्रम और सिट्रस (नींबूवर्गीय फल) में फसलोत्तर प्रबंधन	राष्ट्रीय नींबू वर्गीय अनुसंधान केन्द्र, नागपुर	8–15 जनवरी, 2013
सुश्री वंदना सतीश	एग्रोपीडिया पर प्रशिक्षण	आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद	24–25 जनवरी, 2013
डॉ. ए.आर. राजू	डाटा अपचयन के लिए एसएएस और बहु–चर विश्लेषण	सीआईएफई, मुम्बई	10–11 फरवरी, 2013
श्री गुलबीर सिंह और श्रीमती सुनीता चौहान	सिट्रीकल्चर में उन्नतियां	एनआरसीसी, नागपुर	7–27 मई, 2013

अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता

डॉ. आर.बी. सिगंनधूपे, कार्यक्रम समन्वयक ने दिनांक 29 मई, 2013 को 'वाटर मैनेजमेंट फॉर क्लाइमेट रिजिलियेन्ट एग्रीकल्चर' पर एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की और 'फर्टीगेशन : बेसिक कंसेप्ट्स एंड इट्स यूज इन एग्रीकल्चरल फील्ड क्राप्स' पर एक की–नोट (key note) संबोधन प्रदान किया।

पुरस्कार एवं सम्मान

डॉ. विनिता गोटमेरे को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, यानि 08 मार्च, 2013 को कपास अनुसंधान में उनकी उपलब्धियों के लिए रायसोनी ग्रुप संस्था द्वारा सम्मानित किया गया।

विशिष्ट अतिथि

डॉ. स्वपन कुमार दत्ता, उप–महानिदेशक (फसल विज्ञान), भाकृअप ने डॉ. विजयन नायर, निदेशक, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर के साथ दिनांक 01 जुलाई, 2013 को सीआईसीआर के क्षेत्रीय केन्द्र का दौरा किया। अन्य आगंतुकों में निम्नलिखित महानुभाव थे :

नाम एवं पदनाम	संगठन	तिथि
नागपुर		
डॉ. एस.एस. पाटिल, पूर्व निदेशक, आईएआरआई एवं अध्यक्ष, आरएसी	अध्यक्ष, कर्नाटक किसान आयोग, बेंगलूरू	21.02.2013
कोयम्बटूर		
डॉ. सी.डी. मायी, पूर्व अध्यक्ष ए.एस.आर.बी. एवं अध्यक्ष, सीआईसीआर और एआईसीसीआईपी पर क्यूआरटी	भाकृअप, नई दिल्ली	20.02.2013
डॉ.एस.एस. मेहतरे, सेवानिवृत्त अनुसंधान निदेशक	एमपीकेवी, राहुरी (एम.एस.)	20.02.2013
डॉ. डी. पी. बिरादर, रजिस्ट्रार	यूएएस, रायचूर, कर्नाटक	20.02.2013
डॉ. एच. सी. शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, कीट विज्ञान	आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश	20.02.2013

बैठकों/कार्यशालाओं में सहभागिता

- डॉ. के.आर. क्रांति, निदेशक, सीआईसीआर, नागपुर ने दिनांक 03 जनवरी, 2013 को मुम्बई में आयोजित बीएआरसी (बार्क) के चेयर प्रोफेसर, डॉ. अनिल काकोदकर की अध्यक्षता में 'फील्ड ट्रायल्स ऑफ जीएम क्राप्स' पर बैठक में; दिनांक 06–08 जनवरी 2013 के दौरान कपास अनुसंधान केन्द्र, सूरत में ' इंडिया कॉटन–गेयरिंग अप फॉर ग्लोबल लीडरशिप' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की, दिनांक 14 जनवरी, 2013 को दिल्ली में उप–महानिदेशक (फसल विज्ञान), भाकृअप, नई दिल्ली की अध्यक्षता में फसल विज्ञान प्रभाग के निदेशकों और आरएफडी नोडल अधिकारियों की आरएफडी बैठक में सहभागिता की।

- डॉ. के.आर. क्रांति, निदेशक, सीआईसीआर, नागपुर ने दिनांक 21 जनवरी, 2013 को दिल्ली में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठक में, दिनांक 23 जनवरी, 2013 को कपड़ा आयुक्त मुम्बई के कार्यालय के कपास सलाहकार समिति में तथा दिनांक 14 जनवरी, 2013 को आरएनएआई परियोजना के लिए डीबीटी में बैठक में सहभागिता की।
- श्री गुलबीर सिहं ने दिनांक 11 जनवरी, 2013 को कादिमबाग, नागपुर में आयोजित ''नेशनल हॉर्टिकल्चर मिशन'' पर नागपुर जिले के कार्मिक प्राधिकारियों की जिला स्तरीय बैठक में सहभागिता की। श्री हरीश कुम्भलकर (कार्यक्रम सहायक) ने दिनांक 26 जनवरी, 2013 को रेशमीबाग, नागपुर में आयोजित एग्रो–विजन प्रदर्शनी कार्यशाला में ''कॉटन प्रोडेक्शन टेक्नॉलोजी'' और ''इम्पोर्टेंश ऑफ सॉयल टेस्टिंग एंन्ड आईएनएम इन कॉटन'' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।
- डॉ. के.आर. क्रांति, निदेशक, सीआईसीआर, नागपुर ने दिनांक 11 मार्च, 2013 को दिल्ली में महानिदेशक, भाकृअप द्वारा आयोजित फसल विज्ञान प्रभाग के निदेशकों और प्रभागाध्यक्षों की बैठक में सहभागिता की और श्री नारायण मूर्ति, प्रख्यात अध्यक्ष, इन्फोसिस के साथ परस्पर वार्ता सत्र में तथा दिनांक 19–20 मार्च, 2013 को दिल्ली में निदेशकों के सम्मेलन में सहभागिता की।
- डॉ. के.आर. क्रांति, निदेशक, सीआईसीआर, नागपुर ने दिनांक 03 अप्रैल, 2013 को कृषि भवन, नई दिल्ली में माननीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में भारतीय प्रतिनिधि मंडल के ब्राजील और यूएसए में एक्सपोजर विजिट पर आयोजित बैठक एवं चर्चा में सहभागिता की।

सेमिनारों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में सहभागिता

क्र.सं.	*सेमिनार / सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रशिक्षण*	*स्थान एवं तिथि*	*प्रतिभागी*
1.	*100 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस (सम्मेलन)*	*कोलकाता, दिनांक 3–7 जनवरी, 2013*	*डॉ. जे.एस. मेशर्म*
2	*भारतीय कपास पर सम्मेलन : वैश्विक नेतृत्व करने की ओर अग्रसर*	*नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, कपास अनुसंधान केंद्र, सूरत, दिनांक 6–8 जनवरी, 2013 के दौरान*	*डॉ. के.आर. क्रांति, डॉ. एम.वी. वेणुगोपालन, डॉ. एस.एल. आहुजा, डी. मोंगा, डॉ. ए.एच. प्रकाश, डॉ. टी. आर. लोकनाथन, डॉ. पी.के. चक्रवर्ती, डॉ. एस.बी. नन्देश्वर*
3	*क्षेत्रवार (बेल्टवाइड) कपास सम्मेलन 2013*	*सेन एन्टोनियो, टेक्सास, यूएसए, यूएस दिनांक 7–10 जनवरी, 2013 के दौरान*	*डॉ. एस.के. वर्मा*
4.	*पदप एवं पशु जिनोम XXI*	*सेन डीगी, सीए, यूएसए, दिनांक 12–16 जनवरी, 2013 के दौरान*	*डॉ. एस.के. वर्मा*
5	*कृषि अनुसंधान परियोजनाओं के पीएमई पर एमडीपी कार्यशाला*	*नार्म, हैदराबाद, दिनांक 21–25 जनवरी, 2013 के दौरान*	*डॉ.एम.वी. वेणुगोपालन*
6.	*''बायोटेक्नोलॉजिकल एप्रोचिज़ फॉर प्लांट प्रोटेक्शन : कंस्ट्रेन्ट्स एंड अपॉरच्यूनिटीज'' पर 10वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी*	*भाकृपअप गोवा अनुसंधान परिसर, ईला, ओल्ड गोवा – 403 402, दिनांक 27–29 जनवरी, 2013 के दौरान*	*डॉ. जे. गुलसार बानु*
7	*भारत के जैव सुरक्षा पर्यावरण पर तथा भावी चुनौतियों पर राष्ट्रीय सेमिनार*	*गुजरात राज्य जैवप्रौद्योगिकी मिशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात, गांधी नगर, अहमदाबाद, दिनांक 7 फरवरी, 2013*	*डॉ. पी.के. चक्रवर्ती*
8.	*कीट विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन*	*कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर, दिनांक 14–17 फरवरी, 2013 के दौरान*	*डॉ. बी. धारा. जोति डॉ. जे. गुलसार बानु, डॉ. बी. धारा जोथी, डॉ. जे. गुलसार बानू, डॉ. एम. अमुथा, डॉ. वी. चन्ना बाबू नायक*

कार्मिक

पदोन्नतियां : वैज्ञानिक कार्मिक

वैज्ञानिक का नाम	विषय क्षेत्र	पदोन्नति	प्रभावी तिथि
डॉ. (सुश्री) वी. शांति, वैज्ञानिक (वरि. वेतनमान) सीआईसीआर, नागपुर	बीज प्रौद्योगिकी	वरिष्ठ वैज्ञानिक	20.09.2008
डॉ. वी.एस. नगरारे, वैज्ञानिक (वरिष्ठ वेतनमान) सीआईसीआर, नागपुर	कृषि कीट विज्ञान	वरिष्ठ वैज्ञानिक	18.11.2008

वैज्ञानिक का नाम	विषय क्षेत्र	पदोन्नति	प्रभावी तिथि
डॉ. (श्रीमती) एस. उषा रानी, वैज्ञानिक (वरिष्ठ वेतनमान) सीआईसीआर, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंम्बटूर	कृषि विस्तार	वरिष्ठ वैज्ञानिक	24.11.2008
डॉ. (सुश्री) एम. अमुथा, वैज्ञानिक (आरजीपी 6000 रू.), सीआईसीआर क्षेत्रीय स्टेशन, कोयंम्बटूर	कृषि कीट विज्ञान	वैज्ञानिक (आरजीपी 7000 रू.)	08.01.2011
श्री एम. साबेश, वैज्ञानिक (वरिष्ठ वेतनमान) (आरजीपी 7000 रु.), सीआईसीआर क्षेत्रीय केंद्र, कोयंम्बटूर	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	वैज्ञानिक (आरजीपी 8000 रु.)	28.01.2011

तकनीकी कार्मिक (फील्ड/फार्म ग्रुप)

क्र.सं.	नाम	पदोन्नती	
		से	में
सीआईसीआर मुख्यालय, नागपुर			
1	डॉ. एम.एस. यादव	टी (7–8)	टी– 9
2	श्री बी.एन. तुले	टी (7–8)	टी– 9
3	श्री के.जी. दिवाले	टी (7–8)	टी– 9
4	श्री सी.के. शास्त्री	टी (7–8)	टी– 9
5	श्री एम.टी. नाफाडे	टी– 6	टी (7–8)
6	श्री आर.बी. बागडे	टी–6	टी (7–8)
7	श्री बी.आर. रोड	टी–6	टी (7–8)
8	श्रीएन.आर. तेंदुलकर	टी–6	टी (7–8)
9	श्री जी.सी. गजभिए	टी–6	टी (7–8)
सीआईसीआर क्षेत्रीय स्टेशन, कोयम्बटूर			
10	श्री एम. कनगाराजन	टी (7–8)	टी– 9
11	श्री के. रंगास्वामी	टी–6	टी (7–8)
12	श्री जी. गुनाशेखरन	टी–6	टी (7–8)
13	श्री आर. वंसतसेनन	टी–6	टी (7–8)
सीआईसीआर क्षेत्रीय स्टेशन, सिरसा			
14	श्री नेत्र पाल सिंह	टी–6	टी (7–8)

तकनीकी अधिकारी (कलाकार समूह)

श्री के.बी. चौधरी, सेवानिवृत्त टी (7–8) कलाकार/आर्टिस्ट को टी–9 में प्रोन्नत किया गया।

प्रशासनिक स्टाफ

श्री टी.एन.आर. नय्यर, सहायक, सीआईसीआर क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर को दिनांक 08.05.2013 से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया और उन्हें सीआईसीआर क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर में तैनात किया गया है।

श्री यू.एम. नारखेडे, सहायक, सीआईसीआर, नागपुर को दिनांक 08.05.2013 से सीआईसीआर नागपुर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

नई नियुक्ति / कार्यभार ग्रहण

श्री ए. मनीकन्दन, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) ने दिनांक 10.04.2013 को सीआईसीआर, नागपुर में कार्यभार ग्रहण किया।

श्री संतोष एच.बी., वैज्ञानिक (पादप प्रजनन) ने दिनांक 15.04.2013 को सीआईसीआर, नागपुर में कार्यभार ग्रहण किया।

श्री सुनील सिंहल, सहायक ने दिनांक 23.01.2013 को सीआईसीआर, नागपुर में कार्यभार ग्रहण किया।

सेवानिवृत्ति

तकनीकी कार्मिक	
1	श्री नेत्रपाल सिंह टी (7–8) दिनांक 30.04.2013 को सेवानिवृत्त
2	श्री. डब्ल्यू.यू. पारटे, टी–5, दिनांक 30.06.2013 को सेवानिवृत्त
3	श्री के.एल. बालासुब्रमण्यम, टी–5 दिनांक 31.01.2013 को सेवानिवृत्त
4	श्री आर.टी. वार्चेय, टी–3, दिनांक 31.05.2013 को सेवानिवृत्त
5	श्री वी.पी. मसूरकर, टी–4 (ड्राइवर), दिनांक 30.06.2013 को सेवानिवृत्त

प्रशासनिक स्टाफ

1. श्री एम.एन. बोरले, सहायक, दिनांक 31.05.2013 को सेवानिवृत्त

कुशल सहायक कर्मचारी

1. श्री एस.जी. काडु, दिनांक 31.03.2013 को सेवानिवृत्त
2. श्री आर. पालियामल, दिनांक 31.05.2013 को सेवानिवृत्त
3. श्री पी. सुब्रमण्यम, दिनांक 30.06.2013 को सेवानिवृत्त
4. श्रीमती गोमा, दिनांक 30.06.2013 को सेवानिवृत्त
5. श्रीमती एस.एल. गोरघाटे, दिनांक 30.06.2013 को सेवानिवृत्त
6. श्रीमती सी. मारामल, दिनांक 30.06.2013 को सेवानिवृत्त

विदेश दौरे

डॉ. ऋषि कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि कीट विज्ञान), सीआईसीआर क्षेत्रीय केन्द्र, सिरसा ने दिनांक 09.10.2012 से 08.02.2013 के दौरान कारनेल विश्वविद्यालय, एग्रीकल्चर लाइफ साइंस कॉलेज, यूएसए में फुलब्राइट – नेहरू इन्वायर्मेन्टल प्रोग्राम में भाग लेने हेतु यूएसए की यात्रा की।

बैठकें

सीआईसीआर क्षेत्रीय केन्द्र, कोयम्बटूर में दिनांक 02.05.2013 को आयोजित 5वीं आईजेएससी बैठक।

अंग्रेजी अंक संकलन एवं संपादनः डॉ. नंदिनी गोक्टे (प्रधान वैज्ञानिक)
प्रस्तुति एवं प्रकाशन डॉ. केशव क्रांति, निदेशक
हिन्दी संस्करण : निर्माण एवं संपादनः रजनी कान्त चतुर्वेदी
ग्रफिक सहयोगः संगिता औरंगाबादकर
केंन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान पोस्ट बैग क्र.. 2, शंकर नगर पोस्ट आफिस, नागपुर दूरभाष : 07103–275536/275538 फैक्स : 07103–275529